8 जून, 2010 को 1000 बजे ओल्ड टाउन हॉल, प्राग में प्राग के लॉर्ड मेयर श्री पावेल बेम द्वारा आयोजित समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी की टिप्पणियां

मेरी पत्नी, मैं और मेरा पूरा प्रतिनिधिमंडल संस्कृति व परंपरा में समृद्ध आपके खूबसूरत और सुविख्यात नगर में आकर आनंदित हैं।

प्राग दुनिया के महान नगरों में से एक है, और मैं इस स्थान पर, जहां मैं अनेक वर्षों पहले आया था, पुन: आकर खुशी महसूस कर रहा हूँ। हम यहां भारत में चेक गणराज्य और विशेषकर इसकी राजधानी की अत्यधिक सराहना करते हैं। हम इसके इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और मानव ज्ञान के सभी क्षेत्रों में इसकी उपलब्धियों की प्रशंसा करते हैं। प्राग यूरोप के मध्य में स्थित है। दुनिया भर के व्यापारी, राजनीतिज्ञ, विद्वान और कलाकार इसी जगह आकर मिलते रहे हैं। प्राग उन घटनाक्रमों का साक्षी रहा है जिनसे इतिहास की दशा-दिशा प्रभावित हुई है।

चेक गणराज्य और भारत समानता, मानवाधिकारों, स्वतंत्रता और लोकतंत्र हेतु किये गए प्रयासों में ऐतिहासिक रूप से निकट के भागीदार रहे हैं। भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के नेता, पंडित जवाहरलाल नेहरू और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने 1930 के दशक में आपके सुन्दर नगर की यात्रा की थी। गुरूदेव रबिन्द्रनाथ टैगौर 1920 के दशक में प्राग आए थे। पंडित नेहरू और टैगोर दोनों ने चेकोस्लोवाकिया पर कब्ज़े के खिलाफ आवाज उठाई थी।

मुझे और मेरे प्रतिनिधिमंडल और हमारे माध्यम से भारत की जनता को आपने जो यह सम्मान प्रदान किया है, उसके लिए मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूँ।